प्रेस नोट

मॉक ड्रिल : दीव में भूकंप के बाद बचाव का किया गया मॉक एक्सरसाइज

एनडीआएफ-06 बटालियन, वडोदरा एवं जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से भूकम्पजनित आपदा पर हुआ पूर्वाभ्यास

दीव, दिनांक 17/03/2021 :- दीव जिले में प्राकृतिक आपदाओं से बचाव, राहत तथा इंसीडेंट रेस्पोंस सिस्टम (आईआरएस) में सौंपे गए दायित्वों के निर्वहन, आपदा पूर्व तैयारियों एवं क्षमता विकास में वृद्धि करने के लिए आज भूकंप से बचाव का पूर्वाभ्यास किया गया।

मॉक ड्रिल के लिए भूकंप की घटना की स्थिति उत्पन्न करते हुए दीव के स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। सुबह 9:45 बजे 6.0 तीव्रता का भूकंप आने की सूचना प्राप्त होते ही आईआरएस सिस्टम सक्रिय हुआ। डिप्टी इंसीडेंट कमांडर, उप समाहर्ता, दीव ने भूकंप आने की प्राप्त सूचनाओं के बारे में जानकारी दी और निर्देश दिया कि सभी नोडल अधिकारी संभावित नुकसान की सूचना पर रणनीति तैयार करते हुए राहत एवं बचाव कार्यों के लिए स्टेजिंग एरिया में जुटे जिसके बाद सभी सेक्शन के नोडल अधिकारी घटना स्थल पर एकत्र हुए। पुलिस, फायर विभाग, डीएमसी और पैरामेडिकल स्टाफ के कर्मचारियों ने सूचना मिलते ही तत्परता दिखाते हुए आपरेशन रेस्क्यू प्रारंभ कर दिया।

भूकंप से नुकसान की प्रथम सूचना के अनुसार भूकंप से स्पोर्ट्स काम्पलेक्स की दीवार गिरने से बच्चों के बुरी तरह फंसे होने, कई स्थानों पर विद्युत आपूर्ति बाधित होने, कुछ बच्चे के स्पोर्ट्स काम्पलेक्स के प्रथम तल में फंसे होने तथा कुछ के घायल होने की सूचना प्राप्त हुई। इसके बाद पुलिस, होमगार्ड, चिकित्सकों, विद्युत विभाग के कर्मचारी, डीएमसी स्टाफ एवं फायर ब्रिगेड की संयुक्त टीमें रेस्क्यू के लिए मौके पर पहुंची।

सुबह करीब 9:45 बजे सहायक शारीरिक क्रीड़ा अधिकारी, दीव ने कंट्रोल रूम में फोन कर सूचना दी कि स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में भूकंप आया है और भवन क्षतिग्रस्त हो गया है। इसमें लगभग 50 बच्चे खेल रहे थे जिसमें से 34 बच्चे सकुशल बाहर आ गए जबकि 16 बच्चें अभी भी अंदर फंसे हुए हैं। इसमें से 8 बच्चों को स्थानीय प्रशासन द्वारा गठित टीम की मदद से बाहर निकाल लिया गया। कुछ बच्चों का प्राथमिक उपचार कर सुरक्षित छोड़ दिया गया जबकि कुछ को सरकारी अस्पताल में दाखिल किया गया। 8 बच्चे बुरी तरह से मलवे में फँस गए थे जिन्हें निकालने के लिए एनडीआरएफ-6 बटालीयन को फोनकर बुलाया गया। एनडीआरएफ की टीम 1 घंटे बाद अपने पूरे साजो-समान एंव उपकरणों के साथ घटना स्थल पर पहुंच गई और ऑपरेशन रेस्क्यू शुरू कर दिया। रेस्क्यू टीम ने घायलों को स्ट्रेचरों की सहायता से बाहर निकाला और एनडीआरएफ की प्राथमिक उपचार केन्द्र मे ही ईलाज किया गया जिसके बाद 108 वाहन से फौरन सरकारी अस्पताल, दीव पहुंचाया, जहां पहले से तैयार डॉक्टरों की टीम ने घायलों का उपचार शुरू किया।

इस पूरी मॉक एक्सरसाईज के दौरान इंसीडेंट कमांडर, समाहर्ता, दीव सलोनी राय ने आपदा राहत एवं बचाव टीमों के हर कार्यप्रणाली का गहनता से निरीक्षण किया। इस ऑपरेशन में टीमों के द्वारा जहॉ कुछ कमियॉ नजर आ रही थी और रिस्पौंस टाइम में देर लग रही थी उसको दूर करने के लिए संबधित टीम को उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिया ।

इस अवसर पर समाहर्ता, दीव ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए हमें हर घड़ी तैयार रहनी होगी। उन्होंने कहा कि इस मॉक एक्सरसाईज का मुख्य प्रयोजन आपदा के दौरान अपने पास उपलब्ध संसाधनों का उचित प्रयोग कैसे करें, हमें किस प्रकार काम करना है और क्या-क्या कदम उठाने हैं और उसे प्रभावी ढंग से किस प्रकार लागू करें, कि कम से कम जान माल की हानि हो। समाहर्ता ने कहा कि इसके माध्यम से एनएसएस, एनसीसी एवं छात्र छात्राओं को भूंकपजनित आपदाओं से निपटने की जानकारी दी गई। इस दौरान एनडीआरएफ टीम द्वारा प्रयोग किए जानेवाले सारे उपकरणों एवं संसाधनों को भी प्रदर्शन किया गया और बच्चों को उसके बारे में बताया गया। इस अवसर पर वृक्षारोपण का कार्य भी किया गया। मॉक ड्रिल में एसपी अनुज कुमार, उप समाहर्ता, हरमिंदर सिंह, प्रभारी कार्यपालक अभियंता, लेखा उप निदेशक, स्वास्थ्य अधिकारी, मामलतदार, सहित प्रशासन से जुड़े अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। समाहर्ता, दीव ने मॉक ड्रिल को सफल बताते हुए प्रत्येक टीम की तत्परता की प्रशंसा की। उन्होंने विशेष तौर पर एनडीआएफ-06 बटालियन, वडोदरा की डिप्टी कमांडेंट हिमांशु वाडोला और उनकी पूरी टीम की प्रशंसा की।